महाकुंभ 2025 में मची भगदड़

चर्चा में क्यों?

प्रयागराज में त्रिवेणी संगम (गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम) पर उस समय दुखद भगदड़ मच गई, जब हज़ारों श्रद्धालु महाकुंभ में **मौनी अमावस्या '**अमृत स्नान**'** के लिये एकत्र हुए थे।

- भारी भीड़ के कारण **हालात बिगड़ गए** और **भगदड़ मच गई,** जिससे कई **लोगों की जान** चली गई और **कई घायल** हो गए।

मुख्य बिंदु

- **अमृत स्नान का महत्त्व:**
  - **मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान** महाकुंभ 2025 का सबसे महत्त्वपूर्ण अनुष्ठान है तथा यह आयोजन **'त्रिवेणी योग' के दुर्लभ खगोलीय संरेखण के कारण और भी अधिक महत्त्वपूर्ण है,** जो प्रत्येक **144 वर्षों में एक बार होता है।**
  - अमृत स्नान से एक दिन पहले ही करीब **पाँच करोड़ श्रद्धालु पहुँच चुके थे और संभावना है कि** उसी दिन यह संख्या **10 करोड़** तक पहुँच जाएगी।
- **मौनी अमावस्या:**
  - **परिचय:**
    - **मौनी अमावस्या, जिसे माघी अमावस्या** या **माघ अमावस्या** के नाम से भी जाना जाता है, एक महत्त्वपूर्ण दिन है जो **माघ महीने के दौरान अमावस्या (अमावस्या)** पर आता है।
    - आध्यात्मिक रूप से महत्त्वपूर्ण यह दिन उत्तर भारतीय कैलेंडर की परंपराओं में गहराई से निहित है।
    - यह पवित्र अनुष्ठानों के माध्यम से **आत्मनिरीक्षण, मौन** और **आत्मा शुद्धि द्वारा चिह्नित है, जिसमें** गंगा नदी **में पवित्र स्नान** इसकी सबसे प्रमुख प्रथाओं में से एक है।
  - **मौनी अमावस्या 2025 का महत्त्व:**
    - **मौनी शब्द संस्कृत शब्द** "**मौन**" से लिया गया है, जिसका अर्थ है "**चुप्पी या न बोलने की स्थिति**"**।**
    - इस दिन मौन व्रत रखना भक्तों के बीच एक आम प्रथा है, जो **आध्यात्मिक अनुशासन** और **आंतरिक शांति को बढ़ावा देती है।**
    - **मौन को आत्म-शुद्धिकरण** और **आध्यात्मिक विकास** हेतु एक शक्तिशाली साधन माना जाता है।
    - **ऐसा माना जाता है कि कुंभ मेले** के दौरान **त्रिवेणी संगम** में **पवित्र डुबकी लगाने** से भक्तों के पाप धुल जाते हैं और वे **मोक्ष** की ओर अग्रसर होते हैं।
    - इसके अतिरिक्त, **मौनी अमावस्या** पर **पूर्वजों के सम्मान** हेतु अनुष्ठान करने से खुशी और आशीर्वाद प्राप्त होता है, साथ ही पितृ दोष को कम करने में सहायता मिलती है, जिससे पैतृक कर्म असंतुलन का सामना करने वालों को राहत मिलती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/stampede-at-maha-kumbh-2025